जश्न मनाते रहना अपनी हर नाकामयाबी का क्योंकि कामयाबी का जुनून ही अंततः इतिहास रचता है।

तेवर वही, अंदाज नया ......!

साप्ताहिक

उज्जैन टाइम्स

प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा

डाक पंजीयन संख्या मालवा संभाग
L2/65/RNP/397/2024-26

RNI No. 7583/61

Connect with Ujjain Times : www.ujjaintimes.in @UjjainTimes UjjainTimes UjjainTimes734 Channel : Ujjain Times

● वर्ष : 66, अंक : 43 ● उज्जैन, युगाब्ध-5127, विक्रम संवत् 2083 मंगलवार दिनांक 01-09-2026 से 07-09-2026 तक ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 2 रुपये

भाद्रपद माह के प्रथम सोमवार की पंचम सवारी धूमधाम से निकली

उज्जैन। भगवान श्री महाकालेश्वर की श्रावण-भाद्रपद माह में निकलने वाली सवारियों के क्रम में भाद्रपद माह के प्रथम सोमवार को सायं 04 बजे परंपरानुसार श्री महाकालेश्वर भगवान की पंचम सवारी धूमधाम से निकली। सवारी में भगवान श्री महाकालेश्वर ने पांच विभिन्न स्वरूपों में भक्तों को दर्शन दिए। भगवान श्री महाकालेश्वर पालकी में श्री चंद्रमोलेश्वर, गजराज पर श्री मनमहेश, बैलगाड़ी में गरुड़ पर श्री शिवतांडव, बैलगाड़ी में नंदी पर श्री उमा-महेश तथा बैलगाड़ी रथ में श्री होल्कर के स्वरूप में विराजमान होकर अपनी प्रजा का कुशलक्षेम जानने नगर भ्रमण पर निकले।

सभामंडप में हुआ भगवान श्री चंद्रमोलेश्वर का पूजन-अर्चन

सवारी से पूर्व सभामंडप में माननीय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कौशल विकास एवं रोजगार, मध्यप्रदेश शासन डॉ. गौतम टेटवाल, माननीय राज्यमंत्री

लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, माननीय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आनंद विभाग, मध्यप्रदेश शासन श्री लखन पटेल, माननीय राज्यमंत्री नगरीय विकास एवं आवास विभाग श्रीमती प्रतिमा बागरी तथा विधायक श्री सतीश मालवीय ने भगवान श्री चंद्रमोलेश्वर का पूजन-अर्चन किया।

साथ ही श्री रोशन कुमार सिंह, कलेक्टर एवं अध्यक्ष, श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति, पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा, एडीएम एवं प्रशासक श्री प्रथम कौशिक आदि ने भी भगवान श्री चंद्रमोलेश्वर का पूजन-अर्चन कर आरती में सहभागिता की। सभी गणमान्यों ने पालकी को कंधा देकर नगर भ्रमण के लिए रवाना किया।

सभामंडप से भगवान श्री चंद्रमोलेश्वर पालकी में सवार होकर अपनी प्रजा का हाल जानने और भक्तों को दर्शन देने नगर भ्रमण पर निकले। पालकी जैसे ही श्री महाकालेश्वर मंदिर के मुख्य द्वार पर पहुंची, सशस्त्र पुलिस बल के जवानों एवं श्री महाकालेश्वर मंदिर बैंड द्वारा रजत पालकी में विराजित भगवान श्री चंद्रमोलेश्वर को सलामी (गार्ड ऑफ ऑनर) दी गई। राजाधिराज भगवान श्री महाकालेश्वर की सवारी में लाखों श्रद्धालु भगवान शिव का गुणगान करते हुए शामिल हुए। विभिन्न भजन मंडलियां झांझ-मंजीर, डमरू एवं अन्य वाद्ययंत्रों के साथ सवारी में चल रही थीं। मध्यप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को भगवान श्री महाकालेश्वर की पंचम सवारी के दौरान क्षिप्रा नदी के तट रामघाट पर भगवान श्री चंद्रमोलेश्वर के पालकी स्वरूप में पहुंचने

के बाद क्षिप्रा नदी के जल से भगवान का पूजन-अर्चन किया।

भगवान श्री महाकालेश्वर की पालकी के रामघाट पहुंचने पर शंखनाद किया गया। इसके पश्चात विधिवत पूजन-अर्चन एवं आरती संपन्न हुई। पूजन एवं आरती के दौरान श्री महाकालेश्वर मंदिर बैंड द्वारा मधुर शिवधुनों की प्रस्तुतियां दी गईं। रामघाट पूजन में माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, माननीय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कौशल विकास एवं रोजगार डॉ. गौतम टेटवाल, माननीय राज्यमंत्री लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, माननीय राज्यमंत्री नगरीय विकास एवं आवास विभाग श्रीमती प्रतिमा बागरी तथा राज्यसभा सांसद बालयोगी श्री उमेशनाथ महाराज सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। पूजन के पश्चात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भगवान की पालकी को कंधा देकर सवारी में सहभागिता की।

रामघाट पर महाकाल मंदिर बैंड की भव्य प्रस्तुति बनी मुख्य आकर्षण

भगवान श्री महाकालेश्वर की पंचम सवारी के रामघाट पहुंचने पर श्री महाकालेश्वर मंदिर बैंड द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के स्वागत में विशेष संगीतमय प्रस्तुति दी गई। इसके पश्चात भगवान श्री महाकालेश्वर के पूजन एवं आरती के दौरान मंदिर बैंड ने मधुर एवं भव्य शिवधुनों की प्रस्तुति देकर पूरे रामघाट को भक्तिमय वातावरण से सराबोर कर दिया। बैंड की मनोहारी प्रस्तुति सवारी के प्रमुख आकर्षणों में रही।

बाबा महाकाल की एक झलक के लिए असंख्य श्रद्धालु हुए आतुर

भगवान श्री महाकालेश्वर की पंचम सवारी के दौरान सम्पूर्ण उज्जैन नगरी शिवमय हो गई। हजारों श्रद्धालुओं के साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी झांझ, मंजीरे, डमरू एवं ढोल जैसे वाद्ययंत्र बजाते हुए महाकाल की आराधना करते हुए पालकी के साथ चले। सवारी अपने परंपरागत मार्ग से होती हुई रामघाट पहुंची, जहां मां क्षिप्रा के जल से भगवान का अभिषेक एवं पूजन किया गया। पूजन-अभिषेक एवं आरती के पश्चात सवारी रामानुजकोट, मोढ़ की धर्मशाला, कार्तिक चौक, खाती का मंदिर, सत्यनारायण मंदिर, ढाबा रोड, टंकी चौराहा, छत्री चौक एवं गोपाल मंदिर पहुंची। यहां सिंधिया ट्रस्ट के पुजारी द्वारा पालकी में विराजित भगवान श्री चंद्रमोलेश्वर का पूजन किया गया। इसके पश्चात सवारी पटनी बाजार एवं गुदरी चौराहा होते हुए पुनः श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंची, जहां सवारी का विश्राम हुआ।

रामघाट पर 1100 वैदिक बटुकों के वैदिक उदघोष से गूंज उठा क्षिप्रा तट

श्री महाकालेश्वर भगवान की पंचम सवारी के दौरान क्षिप्रा तट पर 1100 वैदिक बटुकों द्वारा वैदिक मंत्रों के उदघोष के साथ भगवान श्री महाकालेश्वर का स्वागत किया गया। सवारी के क्षिप्रा तट पर पूजन के दौरान दत्त अखाड़ा क्षेत्र एवं रामघाट क्षेत्र में दोनों ओर 1100 बटुकों द्वारा वेद मंत्रों का उदघोष किया गया। त्रिभुवन वंदिता मां क्षिप्रा का तट वैदिक मंत्रों के उदघोष से गुंजायमान हो उठा और चारों ओर बाबा महाकाल के दर्शन के लिए आतुर श्रद्धालुओं के नेत्रों में श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास का सागर दिखाई दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशानुरूप पंचम सवारी में हेलीकॉप्टर से हुई पुष्पवर्षा

श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप पंचम सवारी में भगवान श्री महाकालेश्वर पर हेलीकॉप्टर से लगभग 500 किलोग्राम गुलाब के पुष्पों की पंखुड़ियों से भव्य पुष्पवर्षा की गई। रामघाट पर मां क्षिप्रा के तट पर सवारी के पूजन के दौरान हुई पुष्पवर्षा ने पूरे वातावरण को भक्तिमय और उत्सवमय बना दिया।

आस्था और आधुनिक विज्ञान का ऐतिहासिक एवं मनोहारी संगम

भगवान श्री महाकालेश्वर की पंचम सवारी में आस्था और आधुनिक तकनीक का अनूठा संगम देखने को मिला। श्रद्धालुओं की सुविधा एवं भीड़ के सुगम प्रबंधन के लिए विशेष प्रबंध किए गए। क्राउड एनालिटिक्स एवं डेटा संकलन के कार्य के लिए बाबा श्री महाकालेश्वर की सवारी में आधुनिक महाकाल सेवक रोबोट का उपयोग किया गया। महाकाल सेवक ने रामघाट पर अपनी उपस्थिति के साथ भीड़ प्रबंधन में सहायता की तथा सवारी में शामिल श्रद्धालुओं का स्वागत एवं वंदन किया।

08 जनजातीय दलों के 500 कलाकारों ने बिखेरी लोक संस्कृति की छटा

भगवान श्री महाकालेश्वर की पंचम सवारी के दौरान मध्यप्रदेश की समृद्ध लोक संस्कृति एवं जनजातीय परंपराओं का भव्य संगम देखने को मिला। राज्य के विभिन्न अंचलों से आए 08 जनजातीय दलों के लगभग 500 कलाकारों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी पारंपरिक कला एवं लोकनृत्यों की मनोहारी प्रस्तुतियां दीं।

सम्पादक की कलम से.....
सम्पादकीय

मोहन भागवत के अमेरिकी भाषण की 5 अनोखी बातें

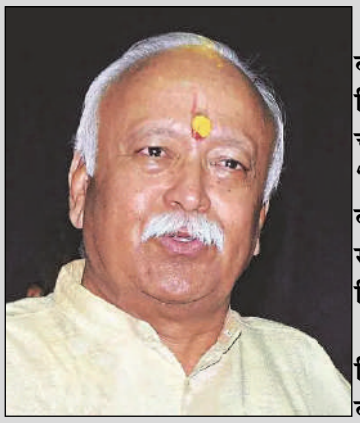

सबसे उल्लेखनीय बात उनका यह कथन रहा कि जो व्यक्ति यह मानता है कि मुसलमानों को भारत में नहीं रहना चाहिए, वह हिंदू नहीं हो सकता। उन्होंने 'हिंदू' को केवल धार्मिक पहचान नहीं, बल्कि सह-अस्तित्व और व्यापक सभ्यतागत दृष्टि से जोड़ने का प्रयास किया।

Unity in Diversity को भारत की विशेषता नहीं, विश्व के लिए योगदान बताया। उन्होंने कहा कि भारत ने विविधता के साथ एकता में जीने का अनुभव विकसित किया है और यही अनुभव आज विभाजित दुनिया के लिए उपयोगी हो सकता है।

भारतीय प्रवासियों के लिए 'कर्मभूमि' का संदेश उन्होंने भारतीय-अमेरिकियों से कहा कि अमेरिका उनकी कर्मभूमि है-अर्थात जिस देश में वे रहते हैं, उसके प्रति जिम्मेदारी और योगदान उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना अपनी भारतीय जड़ों से जुड़ाव। RSS की भाषा का वैश्विक मंच पर अलग प्रस्तुतीकरण भारत में RSS को अक्सर राजनीति, राष्ट्रवाद और हिंदुत्व के संदर्भ में देखा जाता है। लेकिन न्यूयॉर्क के मंच पर केंद्रीय शब्द रहे-Oneness, Diversity, Coe&istence और Human Equality। Oneness को पूरे संदेश का केंद्रीय विचार बनाया

यह शायद सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। भाषण की वैचारिक यात्रा थी- Oneness ? Diversity ? Equality ? Bharat ? विश्व के लिए योगदान यानी संदेश का केंद्र राजनीतिक शक्ति नहीं, सभ्यतागत विचार था।

राहुल गांधी की Digital कहानी में नया मोड़

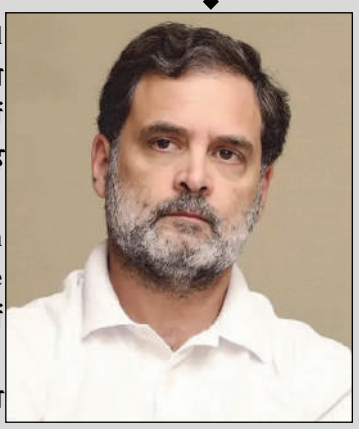

पिछले कुछ दिनों के Social Media data पर नजर डालें तो राहुल गांधी की digital engagement में स्पष्ट तेजी दिखाई देती है। और यह केवल X तक सीमित नहीं दिखता। उपलब्ध data के अनुसार Instagram पर भी उनके posts की average engagement में हाल के महीनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

लेकिन एक फर्क समझना जरूरी है- यह कहना अभी जल्दबाजी होगी कि engagement बढ़ना सीधे political popularity या electoral support में बदल रहा है। लेकिन इतना जरूर कहा जा सकता है कि राहुल गांधी की digital content strategy को पिछले कुछ दिनों में पहले की तुलना में ज्यादा audience response मिल रहा है।

महत्वपूर्ण बात सिर्फ numbers नहीं, engagement की प्रकृति है-

student issues, Women, youth और employment जैसे मुद्दों पर लगातार organic conversation बन रही है।

यह अभी electoral popularity का प्रमाण नहीं है। लेकिन इतना जरूर संकेत देता है कि राहुल गांधी की digital communication अब पहले से कहीं अधिक audience resonance पैदा कर रही है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का पैदल भ्रमण कर मुख्यमंत्री ने नुकसान का लिया जायजा

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को चित्रकूट में बाढ़ की आपदा से उत्पन्न परिस्थितियों का मुआयना किया। उन्होंने प्राचीन मुखारविन्द के पास बनाए गए आश्रय स्थल (राहत शिविर) पहुंचकर सभी बाढ़ प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनके कुशल-क्षेम की जानकारी ली। मध्य प्रदेश के सतना जिले में लगातार हुई बारिश से चित्रकूट में बाढ़ के हालात के बन गए। मंदाकिनी नदी का पानी घाटों से निकलकर बस्तियों, बाजारों और घरों तक पहुंच गया। कई इलाकों में दो मंजिला मकान तक पानी में डूब गए। चारों तरफ पानी था और लोग अपने घर, सामान और जिंदगी भर की जमा-पूंजी को डूबते देखते रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रीवा से सीधे चित्रकूट पहुंचे और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बाढ़ प्रभावितों को राहत सामग्री का वितरण किया और कहा कि संकट की इस घड़ी में हमारी पूरी सरकार आप लोगों के साथ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मंदाकिनी नदी की बाढ़ से नदी का पानी घरों में घुसने से काफी नुकसान हुआ है। इसके अलावा चित्रकूट की अधोसंरचनाओं को भी क्षति पहुंची है। उन्होंने सभी प्रभावितों से कहा कि सरकार और प्रशासन आपदा की घड़ी में पीड़ितों के साथ है। सभी प्रभावितों को उनके हुए नुकसान की भरपाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चित्रकूट में जन जीवन सामान्य होने तक सभी वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी यहीं रूककर प्रभावितों को राहत पहुंचाने का काम करेंगे। उन्होंने आश्रय स्थल पर बांदा के बबेरू से आए श्रद्धालु राजू सिंह से बात की। राजू ने बताया कि वे 20 लोगों के साथ कामतानाथ स्वामी के दर्शन करने आए थे। बाढ़ का पानी होने से वे सब अपने घर वापस नहीं लौट पाए। उन्होंने बताया कि इस आश्रय स्थल पर प्रशासन द्वारा उन सभी के लिए भोजन, पानी, नाश्ते की समुचित व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री ने आश्रय स्थल पर बाढ़ प्रभावित व्यक्तियों को वस्त्र, घरेलू सामग्री और खाद्यान्न आदि राहत सहायता सामग्री भी वितरित की।

गौरतलब है कि सतना जिले में शुक्रवार रात से शनिवार सुबह तक 14 घंटे हुई लगातार बारिश के कारण चित्रकूट में मंदाकिनी ने रौद्र रूप दिखाया। इससे लगभग 42 साल पुराना, 25 फीट ऊंचा और 300 मीटर चौड़ा नदी का बड़ा पुल भी तेज बहाव में बह गया, जिससे नदी का पानी घाटों से निकलकर बस्तियों, बाजारों और घरों तक पहुंच गया।

कई इलाकों में दो मंजिला मकान तक पानी में डूब गए। सबसे ज्यादा मार रामघाट, राघव प्रयाग घाट, कामता, नयागांव, आरोग्यधाम, पुरानी लंका चौराहा, बाजार क्षेत्र, खटकाना मोहल्ला, क्योतरा, रामायणी कुटी और जानकीकुंड में दिखाई दी। मंदाकिनी का पानी घरों में घुसा तो लोग जरूरी सामान लेकर छतों पर पहुंच गए।

जल भराव वाले क्षेत्रों का मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया पैदल भ्रमण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चित्रकूट नगर के रामधाम मोहल्ले में जलभराव (बाढ़) से प्रभावित क्षेत्रों का पैदल भ्रमण किया। उन्होंने कीचड़ से सने मार्ग में पैदल चलकर प्रभावितों के घरों तक पहुंचकर जल भराव से हुए नुकसान का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने रामफल गर्ग और किस्मत कुमार गर्ग के घर पहुंचकर जलभराव से हुए नुकसान की जानकारी ली तथा प्रभावित परिवारों से आत्मीय चर्चा कर उन्हें आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री ने सतना से चित्रकूट मार्ग पर सियाराम कुटीर स्थित माधव धर्मशाला के समीप अग्रहरि किराना स्टोर पहुंचकर दुकानदार कामता प्रसाद गुप्ता से मुलाकात की और उनकी दुकान में पानी भरने से हुए नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने प्रभावितों को भरोसा दिलाया कि इस कठिन समय में सरकार उनके साथ है और सभी प्रभावितों को नियमानुसार हरसंभव राहत एवं सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी लेते हुए सभी प्रभावित परिवारों को हर जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन पूरी तत्परता, समर्पण और संवेदनशीलता के साथ सभी प्रभावितों को राहत सहायता उपलब्ध कराए। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि राहत कार्यों में किसी प्रकार की कोई भी कमी न रहे।

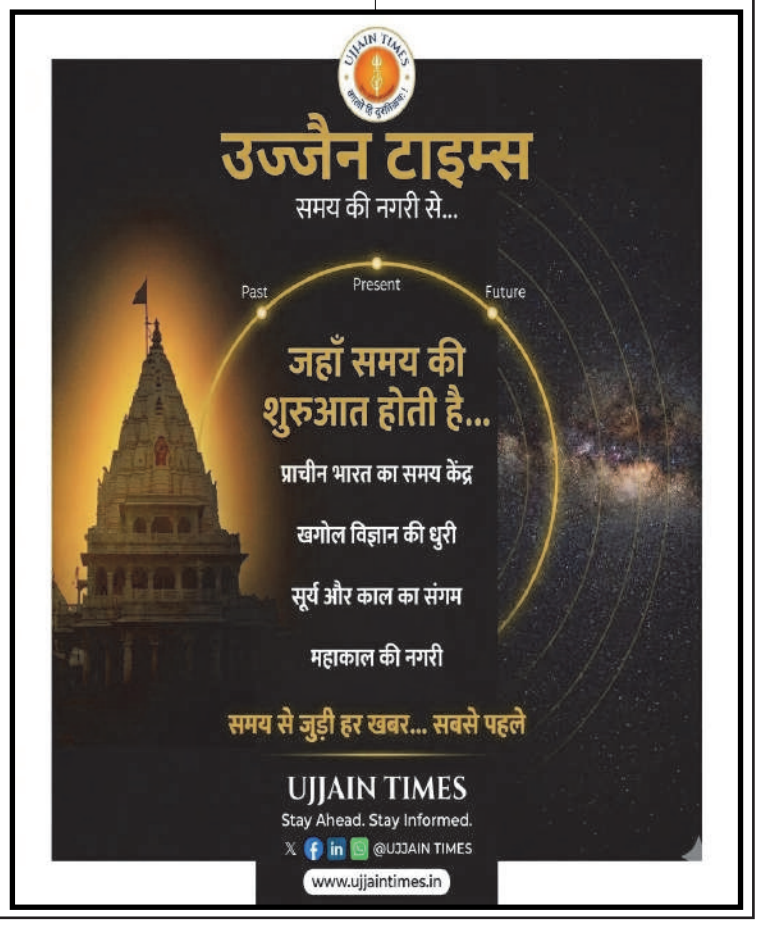

हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

उज्जैन। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग, एवं जिला हॉकी संघ के संयुक्त तत्वावधान में गत दिवस देवास रोड स्थित पॉलिटेक्निक खेल परिसर में एक दिवसीय 7-ए-साइड हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी श्री विजेन्द्र देवड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री ओम जैन, अध्यक्ष, म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी श्री विजेन्द्र देवड़ा ने की। विशेष अतिथि श्री दिलीप भार्गव तथा अतिथि श्री अनिल केन, प्राचार्य, शासकीय विद्यालय, घट्टिया एवं श्री अनिल निकम, व्यायाम शिक्षक, सांदीपनि विद्यालय, उज्जैन उपस्थित रहे।

अतिथियों द्वारा मेजर ध्यानचंद जी के चित्र पर माल्यार्पण कर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया गया। मंचासीन अतिथियों का स्वागत श्री नरेन्द्र श्रीवास्तव, जिम्नास्टिक प्रशिक्षक, श्री गोपाल सिंह गौतम, हॉकी प्रशिक्षक, श्रीमती प्रियंका भदौरिया, हॉकी प्रशिक्षक, श्री कुलदीप अजमावद, हॉकी प्रशिक्षक एवं सुश्री सपना कछवाय, हॉकी प्रशिक्षक द्वारा किया गया।

प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतियोगिता में उज्जैन की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि घट्टिया की टीम द्वितीय स्थान पर रही। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर उपस्थित अतिथियों द्वारा प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त टीमों को ट्रॉफी एवं टी-शर्ट पुरस्कार स्वरूप प्रदान किए गए।

कार्यक्रम का संचालन श्री अनिल निकम, व्यायाम शिक्षक, सांदीपनि विद्यालय द्वारा किया गया। अंत में श्री दिलीप भार्गव द्वारा उपस्थित अतिथियों, खिलाड़ियों एवं आयोजन से जुड़े सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया।

प्रधानमंत्री के आह्वान और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में मध्यप्रदेश नशामुक्त भारत अभियान को मिली नई गति

भोपाल। भारत की युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी पूंजी है। युवाओं की ऊर्जा, क्षमता और प्रतिभा को सही दिशा देना राष्ट्र निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

नशे की बढ़ती प्रवृत्ति केवल व्यक्ति या परिवार की समस्या नहीं है, बल्कि यह समाज और राष्ट्र के भविष्य से जुड़ी एक गंभीर सामाजिक चुनौती है। इसी सोच के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देशभर में नशामुक्त भारत अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य केवल नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता पैदा करना नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक शक्ति के माध्यम से नशे की गिरफ्त में आए लोगों को उपचार, परामर्श और पुनर्वास उपलब्ध कराकर उन्हें मुख्यधारा में वापस लाना भी है।

मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में नशामुक्त भारत अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य सरकार ने सामाजिक सहभागिता, जनजागरूकता, उपचार, पुनर्वास और संस्थागत समन्वय को अभियान का आधार बनाया है। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाहा के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा नशे के विरुद्ध व्यापक स्तर पर गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करने के साथ ही उसके परिवार, आर्थिक स्थिति और सामाजिक जीवन को भी गंभीर रूप से प्रभावित करता है। युवा पीढ़ी को नशे से बचाना और नशे की चपेट में आ चुके लोगों को सम्मानपूर्वक नया जीवन देना सरकार और समाज दोनों की साझा जिम्मेदारी है।

राज्य सरकार ने इस चुनौती को केवल प्रशासनिक दृष्टि से नहीं देखा है। अभियान में शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों, धार्मिक संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठनों, युवाओं, विद्यार्थियों और आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है। यही सामूहिकता नशामुक्ति अभियान की सबसे बड़ी ताकत बनकर सामने आई है।

राज्य में नशामुक्ति के संबंध में व्यापक जनजागरूकता के लिए 213 पंजीकृत संस्थाएं कार्यरत हैं। इन संस्थाओं की भूमिका नशे के दुष्परिणामों के प्रति लोगों को जागरूक करने के साथ-साथ प्रभावित व्यक्तियों और उनके परिवारों तक सहायता पहुंचाने की भी है।

नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत मध्यप्रदेश द्वारा किए गए प्रभावी प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिली है। वर्ष 2023-24 के लिए संस्थागत पुरस्कार श्रेणी में शहीद भगत सेवा समिति, रीवा तथा व्यक्तिगत श्रेणी में श्री राजीव तिवारी, मुक्ति नशामुक्ति केंद्र, भोपाल को सम्मानित किया गया।

13 अगस्त 2025 को भोपाल स्थित रवीन्द्र भवन में आयोजित राज्य स्तरीय नशामुक्ति शपथ ग्रहण समारोह में इन प्रयासों और उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को सम्मानित किया गया। यह सम्मान न केवल संबंधित संस्थाओं और व्यक्तियों की उपलब्धि है, बल्कि नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए मध्यप्रदेश की सामूहिक प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है। नशामुक्ति अभियान का एक महत्वपूर्ण पक्ष उन लोगों को नई जिंदगी देना है, जो नशे की गिरफ्त में आ चुके हैं। सरकार का उद्देश्य ऐसे व्यक्तियों को केवल नशे से दूर करना नहीं, बल्कि उपचार, परामर्श और पुनर्वास के माध्यम से उन्हें समाज की मुख्यधारा से पुनः जोड़ना भी है। प्रदेश में 13 नशामुक्ति सह पुनर्वास केंद्र संचालित हैं। इसके साथ ही 7 आउटरीच एंड ड्रॉप इन सेंटर तथा 3 कम्युनिटी बेस्ड पीयर-लेड इंटरवेंशन सेंटर संचालित किए जा रहे हैं। इन व्यवस्थाओं के माध्यम से नशे से प्रभावित व्यक्तियों तक पहुंचकर उन्हें उपचार और आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

बंदी भाइयों की कलाई पर बहनों ने बांधी राखी

उज्जैन। जेल मुख्यालय के निर्देशानुसार विगत 28 अगस्त को रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर केन्द्रीय जेल में परिरुद्ध बंदियों को उनकी बहनों से प्रत्यक्ष मुलाकात कराते हुए राखी बंधवाने की विशेष व्यवस्था की गई।

केन्द्रीय जेल अधीक्षक श्री मनोज कुमार साहू ने बताया कि रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर जेल प्रशासन द्वारा विशेष तैयारियां की गईं। जेल परिसर में आने वाली बहनों का स्वागत किया गया तथा उनके लिए पेयजल एवं टेंट की व्यवस्था की गई। जेल नियमों का पालन करते हुए प्रार्थना भवन में कुमकुम-चावल की थाली उपलब्ध कराई गई, जिससे बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांध सकें।

इस दौरान कई बहनें अपने भाइयों से मिलने के लिए भावुक नजर आईं। जेल स्टॉफ द्वारा उन्हें सम्मानपूर्वक प्रवेश कराया गया तथा आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था के बीच मुलाकात कराई गई।

केन्द्रीय जेल उज्जैन में कुल 1216 पुरुष बंदियों से 3439 महिला बहनों एवं 1429 बच्चों तथा 56 महिला बंदिनियों से 30 पुरुष भाइयों एवं 36 महिला बहनों की प्रत्यक्ष मुलाकात कराते हुए राखी बंधवाने की प्रक्रिया पूर्ण कराई गई। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा गया।

सम्पूर्ण कार्यक्रम के दौरान जेल स्टॉफ पूरी तत्परता एवं संवेदनशीलता के साथ व्यवस्था में जुटा रहा।

इस अवसर पर जेल अधीक्षक श्री मनोज कुमार साहू, उप जेल अधीक्षक (प्रशासन) श्री जसमन सिंह डावर, परिवीक्षा अधिकारी सुश्री वनिता तिवारी, सहायक जेल अधीक्षक श्री सुरेश गोयल, श्री प्रवीण कुमार मालवीय, श्री अंतिम बिरला, श्री प्रिंस सिंह सहित बड़ी संख्या में जेल स्टाफ उपस्थित रहा।

मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने का संकल्प लिया

उज्जैन। मध्यप्रदेश शासन द्वारा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ष्सुमन पंचायत पहल प्रारंभ की गई है। इस अभिनव पहल का उद्देश्य प्रत्येक ग्राम पंचायत में सुरक्षित मातृत्व, संस्थागत प्रसव, नवजात शिशु की गुणवत्तापूर्ण देखभाल, पूर्ण टीकाकरण तथा मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को शून्य की दिशा में ले जाना है। इस पहल में उत्कृष्ट कार्य करने वाली पंचायतों को प्रोत्साहित करने के लिए एक वर्ष तक मातृ एवं शिशु मृत्यु नहीं होने पर 1 लाख का पुरस्कार प्रदान किए जाने का प्रावधान किया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल ने बताया कि जिले में सुमन पंचायत अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा जनप्रतिनिधियों के समन्वय से कार्य किया जाएगा। प्रत्येक गर्भवती महिला का समय पर पंजीयन, नियमित प्रसव पूर्व जांच, हाई रिस्क गर्भावस्था की पहचान एवं प्रबंधन, संस्थागत प्रसव तथा जन्म के बाद नवजात की समुचित देखभाल सुनिश्चित की जाएगी। प्रत्येक ग्राम पंचायत में आशा, एएनएम, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं पंचायत प्रतिनिधि संयुक्त रूप से यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी गर्भवती महिला स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित न रहे। गर्भवती महिलाओं को समय पर स्वास्थ्य संस्थान तक रेफर करना, नियमित स्वास्थ्य जांच, प्रसव उपरांत देखभाल, स्तनपान संबंधी परामर्श तथा बच्चों का शत-प्रतिशत टीकाकरण अभियान की प्रमुख प्राथमिकताएँ रहेंगी। सुमन पंचायत के अंतर्गत पंचायतों का प्रदर्शन नियमित रूप से मॉनिटर किया जाएगा। जिन पंचायतों में पूरे वर्ष मातृ मृत्यु नहीं होगी, पाँच वर्ष तक के बच्चों में रोकी जा सकने वाली शिशु मृत्यु नहीं होगी तथा टीकाकरण एवं मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होगा, उन्हें राज्य स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। जिले के समस्त चिकित्सा अधिकारियों, बीएमओ, आशा, एएनएम, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं पंचायत प्रतिनिधियों से अपील की कि वे इस अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप दें तथा प्रत्येक गर्भवती महिला एवं नवजात शिशु तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाकर उज्जैन जिले को मातृ एवं शिशु मृत्यु मुक्त बनाने में सक्रिय सहयोग करें। जनसामान्य से भी आग्रह किया गया है कि गर्भावस्था का शीघ्र पंजीयन कराएँ, नियमित जांच कराएँ, संस्थागत प्रसव कराएँ तथा बच्चों का समय पर पूर्ण टीकाकरण अवश्य कराएँ, ताकि स्वस्थ माँ, स्वस्थ शिशु और स्वस्थ का लक्ष्य प्राप्त किया जा सके।

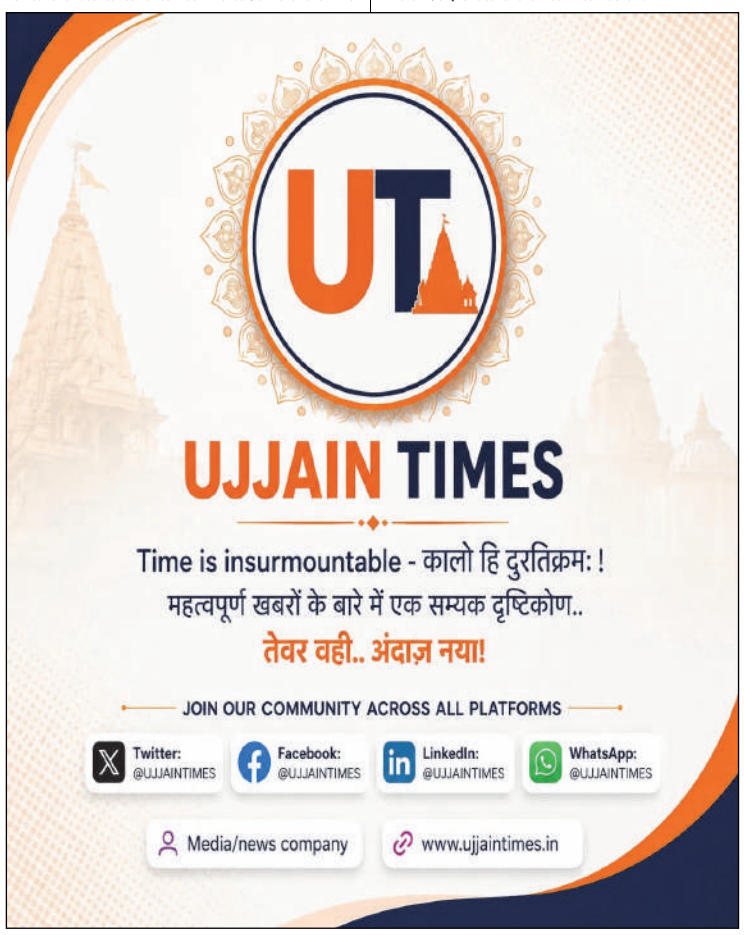

कांग्रेस बढ़ा रही वर्ग संघर्ष, भाजपा ने संकल्प पत्र के 70 प्रतिशत वादे पूरे किए-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

ओरछा। मध्य प्रदेश के निवाड़ी जिले के ओरछा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश कार्यसमिति की दो दिवसीय बैठक के दूसरे दिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विभिन्न सत्रों को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस समाज में वर्ग संघर्ष बढ़ाने का कार्य कर रही है, जबकि भाजपा सामाजिक समरसता और 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने वर्ष 2025 को उद्योग वर्ष और वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में समर्पित किया है। वर्ष 2027 माता-बहनों के सशक्तिकरण और कल्याण के लिए समर्पित रहेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस पर समाज में वर्ग संघर्ष बढ़ाने और तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अतीत में मुस्लिम लीग के साथ समझौते किए और केरल में भी राजनीतिक गठबंधन के माध्यम से सत्ता में आई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा इसके विपरीत सामाजिक समरसता और सभी वर्गों को साथ लेकर विकास के रास्ते पर आगे बढ़ने में विश्वास रखती है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने अलग-अलग वर्षों को विशेष प्राथमिकताओं के लिए समर्पित किया है। वर्ष 2025 को उद्योग वर्ष के रूप में मनाया गया, जबकि 2026 किसान कल्याण वर्ष के रूप में केंद्रित है। वर्ष 2027 को महिला सशक्तिकरण और कल्याण के लिए समर्पित करने की तैयारी है।

'संकल्प पत्र के 70 प्रतिशत वादे पूरे'

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा द्वारा जारी संकल्प पत्र के करीब 70 प्रतिशत वादे अब तक पूरे किए जा चुके हैं। शेष संकल्पों को भी विधानसभा चुनाव से पहले पूरा करने का लक्ष्य सरकार ने रखा है। लाड़ली बहना योजना का उल्लेख करते हुए यादव ने कहा कि योजना शुरू किए जाने के समय कांग्रेस ने इसे लेकर सवाल उठाए थे, लेकिन आज करीब 1.25 करोड़ महिलाओं के खातों में नियमित रूप से राशि पहुंच रही है। उनके अनुसार, योजना के तहत अब तक 55 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि महिलाओं के खातों में पहुंचाई जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार महिला सशक्तिकरण को केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं रखना चाहती, बल्कि महिलाओं को रोजगार और आत्मनिर्भरता से जोड़ने पर भी जोर है। रेडीमेड गारमेंट जैसे क्षेत्रों में महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए उद्योगों को प्रोत्साहन देने की योजनाओं पर काम किया जा रहा है।

बजट 4.38 लाख करोड़, बिजली उत्पादन क्षमता 31 हजार मेगावाट

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में बजट, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में हुए विस्तार के आंकड़े प्रस्तुत किए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में प्रदेश का बजट करीब 22 हजार करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर 4.38 लाख करोड़ रुपये हो गया है। बिजली उत्पादन क्षमता भी करीब 5 हजार मेगावाट से बढ़कर 31 हजार मेगावाट तक पहुंचने का दावा उन्होंने किया।

उन्होंने कहा कि एमबीबीएस की सीटों की संख्या 1250 से बढ़कर 6250 तक पहुंच गई है और प्रदेश में 39 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। इन्हें 50 से अधिक करने का लक्ष्य है। सांदीपनि विद्यालय, पीएम एक्सीलेंस कॉलेज, ग्लोबल स्किल पार्क और आईटीआई के माध्यम से युवाओं को रोजगारपरक शिक्षा और कौशल से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दो वर्षों में ढाई लाख पदों पर भर्ती का लक्ष्य है। पुलिस विभाग में करीब 18,500 पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है, जबकि विभिन्न विभागों में करीब 85 हजार पदों पर भर्ती की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 86 लाख किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है।

सिंचाई का रकबा 55 लाख हेक्टेयर तक पहुंचने का दावा

किसान कल्याण वर्ष का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की आय, सिंचाई, बिजली और कृषि उत्पादन बढ़ाने पर सरकार का विशेष फोकस है। उनके अनुसार, कांग्रेस शासनकाल में प्रदेश में सिंचाई का रकबा करीब 7.5 लाख हेक्टेयर था, जो अब बढ़कर करीब 55 लाख हेक्टेयर हो गया है। उन्होंने एमएसपी, पीएम किसान सम्मान निधि, मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना और बिजली से जुड़ी सुविधाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि किसानों को सस्ती बिजली उपलब्ध कराने के साथ दिन में बिजली देने की दिशा में भी काम किया जा रहा है।

केन-बेतवा परियोजना से बुंदेलखंड में बदलाव की उम्मीद

मुख्यमंत्री ने केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना को बुंदेलखंड के लिए महत्वपूर्ण परियोजना बताया। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र में सिंचाई, पेयजल, उद्योग और बिजली की उपलब्धता बढ़ेगी तथा बुंदेलखंड के विकास को नई गति मिल सकती है।

उन्होंने कहा कि लंबे समय तक बुंदेलखंड पलायन और पिछड़ेपन की समस्या से जूझता रहा, लेकिन अब सरकार क्षेत्र को समृद्धि की दिशा में ले जाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कर्मचारियों की पदोन्नति सहित सरकार द्वारा किए गए अन्य फैसलों का भी उल्लेख किया।

पर्यटन और अधोसंरचना पर सरकार का जोर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, सड़क, विमानन और शहरी अधोसंरचना के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। दतिया, सतना और रीवा में एयरपोर्ट शुरू होने, पर्यटन निगम के लाभ की स्थिति में आने और होमस्टे योजना से स्थानीय रोजगार बढ़ने का उल्लेख उन्होंने किया।

उन्होंने भोपाल, इंदौर और उज्जैन को मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र के रूप में विकसित करने तथा जबलपुर और ग्वालियर को भी इससे जोड़ने की दिशा में काम किए जाने की बात कही। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत 3.62 लाख से अधिक जल संरचनाओं पर काम होने और गौवंश के लिए सहायता राशि बढ़ाए जाने का भी उन्होंने उल्लेख किया।

'सेवा संकल्प अभियान' की कार्यशाला में कार्यक्रमों की रूपरेखा

कार्यसमिति बैठक के दौरान 'सेवा संकल्प अभियान' को लेकर कार्यशाला भी आयोजित की गई। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की सेवा, सुशासन और जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक अभियान चलाया जाएगा।

भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री एवं सांसद कविता पाटीदार और प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी ने पीपीटी के माध्यम से अभियान के तहत प्रस्तावित कार्यक्रमों और गतिविधियों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने और विकसित भारत के संकल्प को जनभागीदारी से आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया।

मप्र में नगरीय निकाय एवं पंचायत उपनिर्वाचन का कार्यक्रम घोषित, 29 सितम्बर को होगा मतदान

भोपाल। मध्य प्रदेश में राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा सोमवार को नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के उप निर्वाचन वर्ष 2026 पूर्वार्ध का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। मतदान 29 सितम्बर, 2026 को होगा।

राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव दिनेश श्रीवास्तव ने जानकारी दी है कि उप निर्वाचन के लिए निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन और नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने का कार्य 8 सितम्बर 2026 से शुरू होगा। नाम निर्देशन पत्र 15 सितम्बर तक लिये जायेंगे, नाम निर्देशन पत्रों की जांच 16 सितम्बर को होगी। अभ्यर्थिता से नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 18 सितम्बर है। इसी दिन निर्वाचन प्रतीकों का आवंटन होगा। नगरीय निकायों में मतदान 29 सितम्बर को सुबह 7 से शाम 5 बजे तक होगा। मतगणना और निर्वाचन परिणामों की घोषणा 3 अक्टूबर को सुबह 9 बजे से होगी। उन्होंने बताया कि पंचायतों में मतदान 29 सितम्बर को सुबह 7 से अपरान्ह 3.00 बजे तक होगा। पंच पद के लिये मतगणना मतदान के तुरंत बाद मतदान केन्द्र पर ही होगी। सरपंच, जनपद पंचायत सदस्य एवं जिला पंचायत सदस्य की विकास खण्ड मुख्यालय पर ई.व्ही.एम. से की जाने वाली मतगणना 3 अक्टूबर को सुबह 8 बजे से होगी। इसी दिन सरपंच एवं जनपद पंचायत सदस्य के निर्वाचन परिणामों की घोषणा की जायेगी। जिला पंचायत सदस्यों एवं पंच पद के लिए परिणामों की घोषणा 5 अक्टूबर 2026 को प्रातः 10.30 बजे से की जायेगी।

3 अध्यक्ष और 26 पार्षदों का होगा उप निर्वाचन

राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव श्रीवास्तव ने बताया कि जिला आगर-मालवा की नगर परिषद सुसनेर, टीकमगढ़ जिले की नगरपालिका परिषद टीकमगढ़ और धार जिले की नगर परिषद कुक्षी के अध्यक्ष पद का निर्वाचन और विभिन्न नगरीय निकायों में 26 पार्षदों के लिये उप निर्वाचन होगा। नगरपालिक निगम इंदौर के वार्ड 58, 60, नगरपालिक निगम ग्वालियर के वार्ड 5, नगरपालिक निगम सागर के वार्ड 11, नगरपालिक निगम कटनी के वार्ड 41, नगरपालिक निगम खण्डवा के वार्ड 34, नगरपालिक निगम के वार्ड 47, नगरपालिका परिषद दमोह के वार्ड 12, इटारसी के वार्ड 30, मुलताई के वार्ड 4, दतिया के वार्ड 1, कोतमा के वार्ड 13, आष्टा के वार्ड 4 और नगरपालिका परिषद विदिशा के वार्ड 26 के पार्षद का उप निर्वाचन होगा। इसी तरह नगर परिषद फूफ के वार्ड 8, चाकघाट के वार्ड 2, लोहारदा के वार्ड 10, कोटर के वार्ड 8, जैतवारा के वार्ड 10, सिलवानी के वार्ड 3, बड़ोदा के वार्ड 14, बरघाट के वार्ड 6, कसरावद के वार्ड 8, पिपलिया मण्डी के वार्ड 15, निवाली बुजुर्ग के वार्ड 7 और नगर परिषद कुक्षी के वार्ड 14 के लिये उप निर्वाचन होगा। जिला पंचायत के 7, जनपद पंचायत के 28 और सरपंच के 110 पदों के लिये होगा उप निर्वाचन

पंचायत उप निर्वाचन के तहत जिला पंचायत सदस्य के 7, जनपद पंचायत सदस्य के 28, सरपंच के 110 और 4090 पंच पद के लिये उप निर्वाचन होगा।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर 29 स्थलों पर होगा 'श्रीकृष्ण पर्व'

भोपाल। मध्य प्रदेश में श्रीकृष्ण पाथेय न्यास, संस्कृति विभाग द्वारा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर प्रदेशभर के 29 ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्त्व के स्थलों पर 'श्रीकृष्ण पर्व' का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतिष्ठित आयोजन आस्था और कला का अद्भुत संगम बनेगा। भगवान श्रीकृष्ण के जीवन-दर्शन, उन की लीलाओं, लोकमंगल की भावना एवं भारतीय संस्कृति में रचे बसे उनके विविध स्वरूपों को प्रदेश एवं देश के ख्यातिलब्ध कलाकार अपनी सशक्त और मनोहारी प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवंत करेंगे।

संस्कृति संचालक एन.पी. नामदेव ने सोमवार को बताया कि संगीत, नृत्य, नाट्य एवं अन्य पारंपरिक कला रूपों के माध्यम से इन स्थलों की ऐतिहासिकता, पौराणिकता और सांस्कृतिक विशिष्टता को रेखांकित किया जाएगा। यह आयोजन केवल उत्सव नहीं, बल्कि श्रीकृष्ण के जीवन-संदेश, सांस्कृतिक चेतना और भारत की समृद्ध कला परंपराओं को जन-जन तक पहुंचाने का एक अभिनव प्रयास होगा, जिसमें हर स्थल अपनी विशिष्ट पहचान के साथ श्रीकृष्णमय वातावरण में रंगा नजर आएगा।

उन्होंने बताया कि श्रीकृष्ण पर्व के लिए चयनित 29 स्थलों में अनेक ऐसे पावन और ऐतिहासिक स्थल सम्मिलित हैं, जिनकी परंपराएं सीधे तौर पर द्वापर युग और भगवान श्रीकृष्ण के जीवन-प्रसंगों से जुड़ी हुई हैं। इनमें सांदीपनी आश्रम - उज्जैन, नारायणा धाम - उज्जैन, अमझेरा, जानापाव - महू एवं जामगढ़ - रायसेन जैसे स्थल प्रमुख हैं। इसके साथ ही आयोजन स्थलों में अनेक ऐसे प्राचीन मंदिर और धार्मिक केंद्र भी शामिल हैं, जिनका धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्त्व होने के साथ-साथ गौरवशाली ऐतिहासिक अतीत भी है।

नामदेव ने बताया कि मध्य प्रदेश की धरती भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े अनेक ऐतिहासिक, पौराणिक और सांस्कृतिक संदर्भों को अपने भीतर समेटे हुए है। भगवान श्रीकृष्ण के जीवन के विभिन्न पहलुओं एवं लीलाओं के लोकव्यापीकरण, सनातन संस्कृति के विस्तार के साथ ही उनके द्वारा बताए जीवन मूल्यों यथा धैर्य, मित्रता, करुणा, दया इत्यादि जनमानस तक प्रेषित करने के उद्देश्य से माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मंशानुरूप श्रीकृष्ण पर्व के माध्यम से सांस्कृतिक परिदृश्य में दर्शाने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि इन आयोजनों के माध्यम से न केवल इन स्थलों की ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक विशिष्टता को व्यापक पहचान मिल रही है, बल्कि नई पीढ़ी भी मध्यप्रदेश की समृद्ध विरासत और गौरवपूर्ण इतिहास से परिचित हो रही है। यह पहल आस्था के उत्सव के साथ-साथ विरासत के संरक्षण, सांस्कृतिक पुनर्स्मरण और प्रदेश की ऐतिहासिक पहचान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बन रही है।

इस वर्ष श्रीकृष्ण पर्व के आयोजन स्थलों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। प्रदेश के विभिन्न अंचलों में होने वाली स्थानीय गतिविधियों को विस्तार करने के लिए सांस्कृतिक महत्व के स्थलों को चिन्हित कर वहां आयोजन किए जा रहे हैं।

भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े मध्य प्रदेश के स्थल

सांदीपनि आश्रम, उज्जैन

उज्जैन का नाम आते ही बाबा महाकाल का नाम ध्यान में आ जाता है, लेकिन यही वह भूमि भी है जहां भगवान श्रीकृष्ण ने अपने जीवन का सबसे महत्वपूर्ण अध्याय लिखा। मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण सांदीपनि आश्रम में 64 दिवस तक रहे। इस अवधि में उन्होंने 64 विद्याओं और 16 कलाओं का ज्ञान प्राप्त किया। परंपराओं के अनुसार उन्होंने चार दिनों में चार वेद, 18 दिनों में 18 पुराण ओर छह दिनों में छह शास्त्रों का अध्ययन किया।

मान्यता है कि इसी आश्रम में भगवान शिव और भगवान श्रीकृष्ण का दिव्य मिलन हुआ था। भारतीय संस्कृति में इसे हरि और हर के पावन मिलन के रूप में देखा जाता है। उज्जैन वह स्थान है, जहां ज्ञान ने व्यक्तित्व को आकार दिया, जहां गुरु ने शिष्य को दिशा दी, जहां मित्रता ने आदर्श स्थापित किया और जहां से योगेश्वर श्रीकृष्ण की यात्रा ने नई ऊंचाईयों की ओर कदम बढ़ाया। सांदीपनि आश्रम के आसपास 'सांदीपनि लोक' विकसित करने की योजना को भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन को नई पहचान देने वाली परियोजना के रूप में प्रस्तुत किया गया है। इसमें भगवान श्रीकृष्ण की 108 फीट ऊंची प्रतिमा, लगभग 9 थीम आधारित जोन तथा आधुनिक डिजिटल/ऋडङ्क्र अनुभव जैसी अवधारणाएँ शामिल हैं। इसका उद्देश्य श्रद्धालुओं को केवल दर्शन तक सीमित न रखते हुए श्रीकृष्ण के जीवन, शिक्षा, गुरुकुल परंपरा और भारतीय ज्ञान-विरासत का अनुभवात्मक परिचय देना है। प्रदेश में भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े स्थलों को एक व्यापक सांस्कृतिक-तीर्थ पर्यटन श्रृंखला से जोड़ने के लिए 'श्रीकृष्ण पाथ' विकसित किया जा रहा है। यह पहल मध्यप्रदेश की 'विरासत से विकास' की व्यापक सोच के अनुरूप है। सांदीपनि आश्रम पहले से ही उज्जैन के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल है। श्री नारायणा धाम मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले की महिदपुर तहसील के ग्राम नारायणा में स्थित भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मैत्री से जुड़ा महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है। यह स्थल उज्जैन की उस व्यापक कृष्ण-परंपरा का हिस्सा है, जिसमें सांदीपनि आश्रम को श्रीकृष्ण की विद्यास्थली और नारायणा धाम को श्रीकृष्ण-सुदामा की मैत्री एवं प्रवास की स्मृति से जुड़े स्थल के रूप में देखा जाता है। नारायणा धाम से जुड़ी लोक-परंपरा और धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा ने गुरु सांदीपनि के आश्रम में शिक्षा ग्रहण करते समय यहां रात्रि विश्राम किया था। कथा के अनुसार, गुरु माता के निर्देश पर श्रीकृष्ण और सुदामा वन से लकड़ियां लेने गए थे। अचानक वर्षा होने के कारण वे वापस आश्रम नहीं लौट सके और एक वृक्ष के नीचे रात्रि बिताई। इसी प्रसंग को नारायणा धाम की धार्मिक पहचान स ` जोड़ा जाता है। स्थानीय परंपरा में यहां स्थित वृक्षों को भी इसी प्रसंग की स्मृति से जोड़ा जाता है। नारायणा धाम की विशिष्टता यह है कि यहां भगवान श्रीकृष्ण के साथ उनके बालसखा सुदामा की आराधना की जाती है। इस कारण यह स्थल केवल धार्मिक आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति में मित्रता, समानता, स्नेह और मानवीय संबंधों के आदर्श का प्रतीक भी बन गया है। वहां स्थित गोमती कुंड, अंकपात क्षेत्र और अन्य स्मृति-स्थल कृष्ण की शिक्षा-परंपरा से जुड़े हैं। नारायणा धाम के विकास को अब केवल स्थानीय मंदिर विकास तक सीमित न रखकर श्रीकृष्ण पाथेय की व्यापक अवधारणा से जोड़ा जा रहा है। मध्यप्रदेश सरकार ने भगवान श्रीकृष्ण से संबंधित स्थलों को धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के लिए श्रीकृष्ण पाथेय न्यास का गठन किया गया है। भगवान श्रीकृष्ण से संबंधित क्षेत्रों का साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संरक्षण-संवर्धन, मंदिरों एवं संरचनाओं का प्रबंधन, सांदीपनि गुरुकुल की स्थापना के लिए परामर्श तथा श्रीकृष्ण पाथेय के स्थलों का सामाजिक, आर्थिक और पर्यटन की दृष्टि से विकास किया जा रहा है।

मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित अमझेरा में इतिहास, आस्था और पौराणिक स्मृतियों की अनगिनत परतें समाई हुई हैं। लोक परंपराओं के अनुसार यही वह स्थान है, जहां भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मिणी की दिव्य कथा का निर्णायक मोड़ आया था। अमझेरा का सबसे प्रमुख धार्मिक केंद्र मां अमका-झमका माता का प्राचीन मंदिर है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि यही वह स्थल है, जहां विदर्भ की राजकुमारी रुक्मिणी ने अपने जीवन के सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में प्रार्थना की थी। पौराणिक कथाओं के अनुसार विदर्भ देश की राजकुमारी रुक्मिणी अत्यंत गुणवान, धर्मपरायण और तेजस्विनी थीं। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के गुण, पराक्रम और लोककल्याणकारी व्यक्तित्व के बारे में सुना था। उनके मन में श्रीकृष्ण के प्रति गहरी श्रद्धा और समर्पण का भाव उत्पन्न हो चुका था। वे उन्हें अपना पति मान चुकी थीं। किन्तु परिस्थितियां अनुकूल नहीं थी। रुक्मिणी के भाई रुक्मी ने उनका विवाह चेदि नरेश शिशुपाल के साथ निश्चित कर दिया था। यह निर्णय रुक्मिणी की इच्छा के विपरीत था। जब रुक्मिणी के भाई रुक्मी को इस घटना का समाचार मिला, तब वह क्रोधित हो उठा। उसने अपनी सेना के साथ श्रीकृष्ण का पीछा किया। अमझेरा से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित भोपावर क्षेत्र में दोनों पक्षों के बीच भीषण युद्ध हुआ। युद्ध में भगवान श्रीकृष्ण ने रुक्मी को पराजित कर दिया। मध्यप्रदेश सरकार ने अमझेरा को श्रीकृष्ण से जुड़े प्रमुख तीर्थ-स्थलों में शामिल करते हुए इसे विकसित करने की विशेष पहल की गई है। अमझेरा को तीर्थ नगरी के रूप में विकसित किया जा रहा है। यह विकास व्यापक श्रीकृष्ण पाथेय की अवधारणा के अंतर्गत किया जा रहा है।

रायसेन जिले की बरेली तहसील के ग्राम जामगढ़ के निकट विंध्याचल क्षेत्र में स्थित जामवंत गुफा भगवान श्रीकृष्ण, जामवंत और स्यमंतक मणि से जुड़े पौराणिक प्रसंग के कारण विशेष महत्व रखती है। स्यमंतक मणि के प्रसंग में भगवान श्रीकृष्ण और जामवंत के बीच इसी गुफा में 27 दिनों तक युद्ध हुआ था। युद्ध के दौरान जामवंत को यह अनुभूति हुई कि श्रीकृष्ण ही उनके आराध्य भगवान राम हैं; इसके बाद उन्होंने स्यमंतक मणि श्रीकृष्ण को सौंपकर अपनी पुत्री जाम्बवती का विवाह उनसे किया। जामगढ़ क्षेत्र का महत्व केवल कृष्ण-परंपरा तक सीमित नहीं है। यहां प्राचीन शिव उपासना से जुड़े स्थल, गुफाएं तथा अन्य पुरातात्विक अवशेष भी पाए जाते हैं और हाल के क्षेत्रीय सर्वेक्षणों में जामगढ़ के जंगलों में लगभग 800 मीटर लंबी पत्थरों पर पदचिह्नों वाली एक प्राचीन पगडंडी तथा प्रारंभिक नागरी लिपि का शिलालेख मिलने की जानकारी मिली है। मध्यप्रदेश सरकार ने जामगढ़ को भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े स्थलों की व्यापक विकास अवधारणा 'श्रीकृष्ण पाथेय' में शामिल करने की दिशा में पहल की है। जामगढ़ के संबंध में इस पहल का एक महत्वपूर्ण पक्ष स्थल का शोधपरक परीक्षण और दस्तावेजीकरण है।

जुगल किशोर एवं श्री बलदेव जी मंदिर, पन्ना

पन्ना को प्राचीन मंदिरों और धार्मिक परंपराओं के कारण मंदिरों की नगरी के रूप में जाना जाता है। यहां स्थित श्री जुगल किशोर जी मंदिर और श्री बलदेव जी मंदिर पन्ना की धार्मिक एवं स्थापत्य विरासत के दो प्रमुख केंद्र हैं। श्री जुगल किशोर जी मंदिर का निर्माण पन्ना के चौथे बुंदेला शासक राजा हिंदूपत सिंह ने अपने शासनकाल (1758-1778) में कराया था। मंदिर के गर्भगृह में प्रतिष्ठित भगवान श्री जुगल किशोर जी की प्रतिमा के संबंध में स्थानीय परंपरा है कि इसे वृंदावन से ओरछा के मार्ग से पन्ना लाया गया था। मंदिर की स्थापत्य शैली में बुंदेला वास्तुकला की विशिष्ट विशेषताएं - नट मंडप, भोग मंडप और प्रदक्षिणा पथ-स्पष्ट दिखाई देती हैं तथा भगवान के आभूषण एवं वस्त्रों में बुंदेलखंडी परंपरा की झलक मिलती है।

श्री बलदेव जी मंदिर पन्ना की धार्मिक विरासत के साथ-साथ अपनी विशिष्ट स्थापत्य शैली के कारण भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह मंदिर रोमन वास्तुकला से प्रेरित तथा गॉथिक प्रभाव वाला है। विशाल स्तंभों से युक्त इसका महा-मंडप ऊंचे चबूतरे पर निर्मित है, जिससे मुख्य द्वार के बाहर से भी श्रद्धालु भगवान के दर्शन कर सकते हैं। यहां भगवान बलदेव जी की आकर्षक प्रतिमा काले शालिग्रामी पत्थर से निर्मित है और यह मंदिर पन्ना की स्थापत्य कला की विशिष्ट उपलब्धियों में गिना जाता है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा पन्ना के इन धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों को पर्यटन की दृष्टि से महत्व दिया गया है।

मुख्यमंत्री का हेलीपैड पर जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया स्वागत

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार को विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए हेलीकॉप्टर से उज्जैन पहुंचे। हेलीपैड पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर पुलिस लाइन स्थित हेलीपैड पर विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, विधायक बड़नगर श्री जितेंद्र पंड्या, अध्यक्ष उज्जैन विकास प्राधिकरण श्री रवि सोलंकी, नगर अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल, महापौर श्री मुकेश टटवाल, संभागायुक्त श्री आशीष सिंह, एडीजी श्री राकेश गुप्ता, डीआईजी श्री नवनीत भसीन, कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह, एसपी श्री प्रदीप शर्मा सहित जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

SECOND INNINGS TURF
FOOD PARK
SECOND INNINGS TURF
& FOOD PARK
1, Maxi Road, Nr. Pravah Petrol Pump, Ujjain (M.P.) 456010
For Booking Contact - 7879075463
SECOND
INNINGS
TURF
800 /-
PER
HOUR
CRICKET & FOOTBALL
BOOK NOW : 7879075463
INDUSTRIAL AREA , MAXI ROAD
@SECONDINNINGSTURF

G.S. ACADEMY UJJAIN

MATH FOUNDATION COURSE

G.S. Academy Ujjain
Committed for Success

- Special Course for All 5th to 10th class student
- Enroll today because seats are only 30
- Classes start from 1st April 2024
- Duration 4 monts

Enroll Now

गौरव सर : 97136-53381, 97136-81837

MPEB बिजली विभाग मक्सी रोड आफिस गेट नंबर 3 के सामने वाली गली में साईं रेडियम के पास 3rd फ्लोर फ्रीगंज उज्जैन

केड़ीगेट चौराहे की कमरुबाग मस्जिद का हिस्सा हटाया

उज्जैन। उज्जैन में सिंहस्थ-2028 को लेकर प्रमुख मार्गों और चौराहों के चौड़ीकरण का काम तेज हो गया है। इसी क्रम में केड़ीगेट चौराहे पर स्थित बोहरा समाज की कमरुबाग मस्जिद के चौड़ीकरण की जद में आ रहे हिस्से को हटाने की कार्रवाई की गई। प्रशासन की मौजूदगी में दो बुलडोजरों की मदद से मस्जिद के प्रभावित हिस्से को हटाया गया।

कार्रवाई के दौरान उज्जैन नगर निगम के अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ पुलिस बल भी मौके पर तैनात रहा। प्रशासन ने पूरी कार्रवाई अपनी निगरानी में कराई। हालांकि, कार्रवाई से पहले समाजजनों की ओर से विरोध किया गया, लेकिन अधिकारियों की समझाइश के बाद स्थिति शांत हुई और इसके बाद हटाने की कार्रवाई शुरू की गई। पूरी कार्रवाई के दौरान मौके पर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी गई।

सिंहस्थ-2028 के मद्देनजर उज्जैन शहर में प्रमुख मार्गों और चौराहों को यातायात के लिहाज से सुगम बनाने तथा उनका चौड़ीकरण करने की योजना पर काम चल रहा है। इसी योजना के तहत ऐसे धार्मिक स्थलों को हटाया जा रहा है, जो प्रस्तावित चौड़ीकरण की सीमा में आ रहे हैं।

इससे पहले भी शहर के विभिन्न हिस्सों में मंदिर, मस्जिद और दरगाहों से संबंधित हिस्सों को हटाने की कार्रवाई हो चुकी है।

प्रशासन का कहना है कि सिंहस्थ के दौरान उज्जैन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और वाहनों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए अभी से यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सड़क और चौराहों के विस्तार का काम किया जा रहा है। इसी उद्देश्य से प्रमुख मार्गों को चौड़ा कर आवागमन को सुगम बनाने की तैयारी की जा रही है।

धार्मिक स्थलों से संबंधित कार्रवाई के दौरान किसी तरह की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए प्रशासन की ओर से पुलिस बल की तैनाती की जा रही है। मंगलवार को भी केड़ीगेट चौराहे पर नगर निगम और पुलिस प्रशासन का अमला मौजूद रहा और कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से पूरी की गई।

श्मशान घाट पर अघोरी क्रिया का वीडियो वायरल, संत समाज में आक्रोश

उज्जैन। श्मशान घाट पर जलती चिता और मानव देह के कथित अवशेषों के साथ एक महिला द्वारा छेड़छाड़ किए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद अघोर अखाड़ा एवं संत समाज में भारी आक्रोश है।

संत समाज ने इस तरह की गतिविधियों को सनातन धर्म और अघोर परंपरा का अपमान बताते हुए मामले की जांच कर दोषी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। अघोर अखाड़ा के पीठाधीश्वर एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष, नाथ संप्रदाय के बालयोगी विष्णुनाथजी खड़ेश्वरी अघोरी बाबा ने वायरल वीडियो

की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि वीडियो में खुद को 'अघोरी' बताने वाली एक महिला श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार हो रही चिता के पास पहुंचकर कथित रूप से धारदार हथियार या औजार की मदद से चिता की सामग्री एवं मानव देह के अवशेषों के साथ छेड़छाड़ करती दिखाई दे रही है। ऐसी गतिविधियों से अघोर परंपरा और सनातन धर्म की छवि खराब हो रही है। केवल लाइक्स, व्यूज, निजी प्रसिद्धि अथवा व्यापारिक लाभ के लिए सोशल मीडिया पर इस प्रकार की गतिविधियों का प्रदर्शन करना अत्यंत आपत्तिजनक है। ऐसी गतिविधियों का अघोर साधना और सनातन परंपरा से कोई संबंध नहीं है। इस मामले में पुलिस को शिकायत की गई है और सनातन तथा अघोर परंपरा के नाम पर कथित रूप से पाखंड फैलाने वालों के खिलाफ प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। बालयोगी विष्णुनाथजी खड़ेश्वरी अघोरी बाबा ने कहां की उज्जैन एक प्रमुख धार्मिक नगरी है और इस तरह के वीडियो के वायरल होने से देश-विदेश में शहर की छवि पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है।

आगामी सिंहस्थ-2028 में बड़ी संख्या में साधु-संत और श्रद्धालु उज्जैन पहुंचेंगे। ऐसे में इस प्रकार की घटनाओं और सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाले वीडियो से सिंहस्थ को लेकर भी गलत संदेश जाने की आशंका है। महाराज ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से ऐसे आपत्तिजनक और भ्रामक कंटेंट को तुरंत हटाएं, ताकि समाज में अघोर संतों के प्रति भ्रम की स्थिति फैलने से रोका जा सके।

फूलडोल चल समारोह की 47 संस्थाओं को नगर निगम ने दी 7.41 लाख रुपए की अनुदान राशि

उज्जैन। फूलडोल चल समारोह को भव्य एवं गरिमामय स्वरूप प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली संस्थाओं के प्रोत्साहन के लिए नगर निगम द्वारा प्रतिवर्ष अनुदान राशि प्रदान की जाती है। इसी क्रम में वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत सोमवार को महापौर श्री मुकेश टटवाल की उपस्थिति में फूलडोल चल समारोह में शामिल होने वाली 47 संस्थाओं को कुल 7 लाख 41 हजार रुपए की अनुदान राशि आरटीजीएस के माध्यम से उनके खातों में अंतरित की गई। महापौर श्री मुकेश टटवाल ने कहा कि फूलडोल चल समारोह शहर की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। समारोह में प्रतिवर्ष विभिन्न संस्थाओं द्वारा आकर्षक फूलडोल एवं झांकियां तैयार कर सहभागिता की जाती है।

इन संस्थाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा नियमानुसार प्रतिवर्ष अनुदान राशि उपलब्ध कराई जाती है। इसी के तहत इस वर्ष 47 संस्थाओं को 7.41 लाख रुपए की राशि प्रदान की गई है।महापौर ने कहा कि नगर निगम द्वारा शहर की धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़े आयोजनों में सहभागिता करते हुए आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाता रहेगा।

सवारी में निगम के स्वच्छता रथ ने दिया स्वच्छता का संदेश

उज्जैन। महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा हरी झंडी दिखाकर स्वच्छता रथ को रवाना किया। बाबा महाकाल की सवारी में नगर पालिक निगम उज्जैन द्वारा स्वच्छता रथ के माध्यम से श्रद्धालुओं एवं आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इसी क्रम में महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा स्वच्छता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बाबा महाकाल की सवारी में नगर पालिक निगम उज्जैन द्वारा निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा के निर्देश अनुसार स्वच्छता रथ के माध्यम से श्रद्धालुओं एवं आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। स्वच्छता रथ के द्वारा उज्जैन नगर पालिक निगम द्वारा स्वच्छता जन जागरण में किए जा रहे कार्यों के बारें में नागरिको को जानकारी दी गई साथ ही स्वच्छता रथ में आकर्षक प्रस्तुतियों के माध्यम से लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया गया। स्वच्छता का जादू द्वारा नागरिकों को गीले एवं सूखे

कचरे को अलग-अलग रखने और उचित तरीके से निस्तारण करने का संदेश दिया गया। वहीं प्लास्टिक के दानव के माध्यम से सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्परिणामों के बारे में लोगों को जागरूक किया गया तथा प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने की अपील की गई। नगर पालिक निगम उज्जैन एवं आईईसी के सदस्य एवं सहयोगी संस्थाओं की इस अनूठी पहल स्वच्छता रथ की प्रस्तुति ने बाबा महाकाल की सवारी में शामिल बच्चों एवं श्रद्धालुओं को मनोरंजन के साथ-साथ स्वच्छता, कचरा पृथक्करण एवं प्लास्टिक मुक्त वातावरण का महत्वपूर्ण संदेश दिया गया। इस दौरान एमआईसी सदस्य श्री जितेंद्र कुवाल उपस्थित रहें।

स्वताधिकारी/प्रकाशक मनमोहन शर्मा के लिये साप्ताहिक उज्जैन टाइम्स 110, तिरुपति एवेन्यू, होटल नत्रक्ष के पीछे, पंचक्रोशी मार्ग, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं ज्योति ट्रेडर्स एवं प्रिन्टर्स न्यू रोड़, उज्जैन से मुद्रित।
● प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा मोबा. 9827233734 manmohan680@gmail.com (सभी वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)।